आयोजन समिति

डॉ. अनिता सिंह
सहा.प्राध्यापक, शिक्षा विभाग
Mob. : 98271-18808
email : 31anitasingh@gmail.com

डॉ. जयपाल सिंह प्रजापति
विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग
Mob. : 92297-03055
email : singh.jaipal82@gmail.com

डॉ. प्रीति रानी मिश्रा
विभागाध्यक्ष, ग्रंथालय एवं सूचना विज्ञान
Mob. : 70171-28494
email : preemishra07@gmail.com

डॉ. एस. रूपेन्द्र राव
विभागाध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग
Mob. : 88179-56122
email : rupendrrao@gmail.com

डॉ. (श्रीमती) प्रकृति जेम्स
सहा.प्राध्यापक, शिक्षा विभाग
Mob. : 99934-50848
email : jamesprakriti@gmail.com

" महात्मा गाँधी वर्तमान चुनौतियों का समाधान हैं "

गाँधी जी एक विचार नहीं अपितु एक दर्शन थे, जिसे हम गाँधी दर्शन कहते हैं, मुख्यतः यह विचार बिंदु हैं : शिक्षा, धर्म, दर्शन, इतिहास, राष्ट्र, समाज, कुटुम्ब, स्त्री, पुरुष, युवा, छात्र, राजनेता, राजनीति, किसान एवं व्यवसायी आदि। इन सभी पर इन्होंने गहन चिंतन कर अपने विचार व्यक्त किये हैं।

महात्मा गाँधी भारत वर्ष की विश्व को ऐसी देन थे जिनके समान कोई दूसरा विभूति नहीं है। 19 वीं शताब्दी का यह ध्रुवतारा सम्पूर्ण मानवता का प्रवक्ता बना, न केवल भारतीय समाज अपितु वैश्विक मानव समाज को अपनी वैचारिक ऊर्जा से भर देने वाला "महात्मा" अपने असाधारण अवदान के लिए सदैव स्मरण किया जायेगा। दक्षिण अफ्रीका में रंगभेद के विरुद्ध बापू का संघर्ष किसी भी समाज के लिए संजीवनी है। महात्मा गाँधी एक सत्यशोधक एवं धर्मप्राण राजनेता थे जिन्होंने मानव जीवन को पूर्णता प्रदान करने वाली सभी बिन्दुओं पर अपने विचार व्यक्त किये हैं, गाँधी जी सत्य एवं अहिंसा को समस्त समस्याओं का समाधान कारक मानते थे। आज भी अध्येताओं एवं अन्वेषकों के लिए गांधी दर्शन विमर्श का अपरिहार्य संदर्भ है।

2 अक्टूबर, 2020 को हम महात्मा जी का 151 वां जयंती वर्ष मना रहे हैं। इस समय सम्पूर्ण विश्व कोविड-19 जैसी महामारी से संघर्ष कर रहा है। साथ ही आत्मनिर्भर भारत के लिए संकल्पना और विभिन्न क्षेत्रों में नवीनीकरण एवं विवेकीकरण की अत्यंत आवश्यकता एवं नवीन शिक्षा नीति का आना, इन सभी समसामयिक संदर्भो में गाँधीजी के चिंतन और अभियान के विविध आयामों का अकादमिक विमर्श सर्वथा प्रासंगिक है।

छत्तीसगढ़ राज्य के गाँधी के रुप में विख्यात स्व. पं. सुंदरलाल शर्मा की कीर्ति का परिचायक हमारा विश्वविद्यालय महात्मा गाँधी जी के विचार सम्पदा के लिए उनका ऋणी है एवं इस क्रम में इस राष्ट्रीय वेबिनार को आयोजित कर उनको श्रद्धा सुमन अर्पित करता है।

बिन्दुः-

- मानव, समाज एवं धर्म के संदर्भ में गाँधी दर्शन
- समाज सुधार के विभिन्न क्षेत्र एवं आयामों में गाँधी जी के प्रयास एवं प्रविधि
- समाज एवं राजनीति में शुचिता पर गाँधी जी के विचार
- गाँधी जी की राम-राज्य परिकल्पना एवं ग्रामीण-सामुदायिक जीवन का भविष्य
- गाँधी जी का सामाजिक-आर्थिक मॉडल एवं वर्तमान में क्रियान्वयन
- गाँधी जी की नई तालीम एवं भारतीय शिक्षा का देशजीकरण
- युवाओं के लिए महात्मा गाँधी जी की प्रासंगिकता

- रजिस्ट्रेशन के लिए लिंक- http://forms.gle/z9wvVtSM5V74LE6G7

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

राष्ट्रीय वेबीनार

महात्मा गाँधी वर्तमान चुनौतियों का समाधान हैं

दिनांक -03 अक्टूबर, 2020 समय -12:00 से 02:30 अपरान्ह

उद्घाटन-सत्र

संरक्षक

प्रो. बंश गोपाल सिंह
कुलपति
पं. सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सह-संरक्षक

डॉ. (श्रीमती) इंदू अनंत
कुलसचिव
पं. सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

वक्ता

श्री डी.एम. अवस्थी
डी.जी.पी.
छत्तीसगढ़ राज्य

श्री कनक तिवारी
महाधिवक्ता
उच्च-न्यायालय, छत्तीसगढ़

डॉ. अनिल दत्त मिश्रा
डिप्टी डायरेक्टर
नेशनल गाँधी म्यूजियम

संयोजक

डॉ. बीना सिंह
विभागाध्यक्ष, शिक्षा विभाग
Mob.:94255-64509
email : drbeenasingh2013@gmail.com

डॉ. संजीव कुमार लवानियाँ
विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र-समाज कार्य
Mob. : 86302-27957
email : smart_sanjiv1@yahoo.com

आयोजन सचिव

डॉ. पुष्कर दुबे
विभागाध्यक्ष, प्रबंधन विभाग
Mob. : 70242-89666
email pushkardubey@rediffmail.com:

कार्यक्रम समन्वयक

श्री रेशमलाल प्रधान
विभागाध्यक्ष, कम्प्यूटर विभाग
Mob. : 70243-83191
email : reshamlalpradhan6602@gmail.com